Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 अंक- 303 रायपुर, शुक्रवार 28 नवम्बर 2025 पृष्ठ-8 मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

डीजीपी–आईजी कॉन्फ्रेंस के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन का गृहमंत्री अमित शाह ने किया शुभारंभ

एनएसए डोभाल सहित कई राज्यों के डीजी शामिल

रायपुर, 28 नवम्बर (हाईवे चैनल)। नवा रायपुर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के परिसर में डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस आज से शुरू हुआ। कांफ्रेंस में शामिल होने के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह देर रात यहां पहुंचे। विमानतल पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वागत किया। 60वां अखिल भारतीय डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस का आज दोपहर 2 बजे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उद्घाटन किया। इसमें शामिल होने के लिए एनएसए अजित डोभाल भी पहुंच चुके हैं.

राष्ट्रीय सुरक्षा के विविध मुद्दों पर चर्चा

यह सम्मेलन देशभर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा प्रशासकों को राष्ट्रीय सुरक्षा के विविध मुद्दों पर खुले और सार्थक विचार-विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण संवादात्मक मंच प्रदान करता है। यह पुलिस बलों के सामने आने वाली परिचालन, अवसंरचनात्मक और कल्याण संबंधी चुनौतियों पर चर्चा के साथ-साथ अपराध से निपटने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आंतरिक सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए पेशेवर प्रथाओं के निर्माण और साझाकरण को भी सुगम बनाता है।

2014 से मोदी के मार्गदर्शन में हो रहा सम्मेलन

वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में इस सम्मेलन के स्वरूप में निरंतर सुधार हुआ है, जिसमें देश भर के विभिन्न स्थानों पर इसका आयोजन भी शामिल है। यह सम्मेलन गुवाहाटी-असम, कच्छ के रण-गुजरात, हैदराबाद-तेलंगाना, टेकनपुर-ग्वालियर-मध्य प्रदेश, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (केवड़िया-गुजरात), पुणे-महाराष्ट्र, लखनऊ-उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, जयपुर-राजस्थान और भुवनेश्वर-ओडिशा में आयोजित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वार्षिक सम्मेलन में निरंतर गहरी रुचि दिखाई है और स्पष्ट चर्चाओं को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने एक ऐसा माहौल तैयार किया है, जहां पुलिस व्यवस्था पर नए विचार उभर सकें। व्यावसायिक सत्र, विस्तृत बातचीत और विषयगत चर्चाएं प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण आंतरिक सुरक्षा और नीतिगत मामलों पर सीधे प्रधानमंत्री के साथ अपने विचार साझा करने का अवसर प्रदान करती है।

कांफ्रेंस में शामिल होने बीएसएफ डीजी दलजीत सिंह चौधरी, आईटीबीपी डीजी प्रवीण कुमार, जम्मू-कश्मीर डीजी नलिन प्रभात और असम डीजी हरमीत सिंह आईआईएम रायपुर पहुंच चुके हैं इसके अलावा सीआईएसएफ के महानिदेशक प्रवीर रंजन, एसएसबी के महानिदेशक संजय सिंघल, एनएसजी के महानिदेशक ब्रौघू श्रीनिवासन, असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा, आईबी के डायरेक्टर तपन कुमार डेका, बीपीआरडी के डीजी राजीव कुमार शर्मा, एनसीआरबी के निदेशक आलोक रंजन और एनडीआरएफ के डीजी पीयूष आनंद कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं. इसके अलावा गृह विभाग के सचिव, केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, राज्यों के गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के प्रमुख, केंद्रीय पुलिस संगठनों और इंटेलिजेंस के प्रमुख शामिल हैं।

नक्सल संगठन ने की एक जनवरी को आत्मसमर्पण की घोषणा

नवा रायपुर में आज से शुरू हुए डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस के बीच एक महत्वपूर्ण घटना घटित हुई है. सीपीआई-एम महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ जोन ओर से छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों के नाम पत्र जारी कर एक जनवरी 2026 को सामूहिक आत्मसमर्पण की घोषणा की है, लेकिन इसके पहले न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्रियों से नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को रोकने की मांग की है.

सीपीआई-एम महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ जोन के प्रवक्ता अनंत ने छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्रियों के नाम से पत्र जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि नए वर्ष की पहली तारीख को कमेटी के सभी साथी एक साथ सरेंडर कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे. लेकिन इसके एक महीने पहले तीनों राज्यों की सरकारों से अनुरोध किया गया है कि वे संयम बरतते हुए उक्त तारीख तक सुरक्षा बलों के अभियानों को पूरी तरह से रोक दें. जोन भर में कहीं भी गिरफ्तारी, मुठभेड़ ऐसी किसी भी अप्रिय घटना को सुरक्षाबल अंजाम ना दें।

मोदी के कल आने की संभावना

नवा रायपुर में तीन दिनों तक चलने वाले 60वें डीजीपी-आईजी सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल रायपुर पहुंचने की संभावना है। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, वह लगभग शाम 7.30 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे. एयरपोर्ट से सीधा नया रायपुर एम-01 बंगला जाएंगे.

विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक देंगे पीएम मोदी

28 से 30 नवंबर तक भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर में आयोजित सम्मेलन का उद्देश्य अब तक प्रमुख पुलिस चुनौतियों से निपटने में हुई प्रगति की समीक्षा करना और 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप 'सुरक्षित भारत' के निर्माण के लिए एक दूरदर्शी रोडमैप की रूपरेखा तैयार करना है. 'विकसित भारत-सुरक्षा आयाम' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में वामपंथी उग्रवाद, आतंकवाद निरोध, आपदा प्रबंधन, महिला सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था में फोरेंसिक विज्ञान एवं एआई के उपयोग जैसे प्रमुख सुरक्षा मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी. प्रधानमंत्री विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक भी प्रदान करेंगे।

बिहार चुनाव में जीत के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ पहुंचे प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन, एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

रायपुर, 28 नवंबर (हाईवे चैनल)। बिहार चुनाव में जीत के बाद भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन शुक्रवार सुबह राजधानी रायपुर पहुंचे. विमानतल पर उनके स्वागत के लिए प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, मंत्री केदार कश्यप के साथ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे. मीडिया से चर्चा के दौरान नितिन नबीन ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ भाषा दिवस है, छत्तीसगढ़ की जनता को बधाई देता हूं. बिहार की जीत के लिए छत्तीसगढ़वासियों का धन्यवाद. बीजेपी के सभी कार्यकर्ता, जिन्होंने बिहार चुनाव में योगदान दिया उनका भी अभिनंदन है. इस जीत का श्रेय भाजपा के कार्यकर्ताओं को जाता है। डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस को लेकर नितिन नबीन ने कहा कि छत्तीसगढ़ इतनी बड़ी बैठक को होस्ट कर रहा है. यह सब दिखाता है कि पूर्व पीएम अटल वाजपेयी ने जो छत्तीसगढ़ के निर्माण में काम किया और उसके विकास के लिए अब पीएम मोदी काम कर रहे हैं. हमने पहले ही कहा था कि हमने ही बनाया है हम ही संवारेंगे. तो हम संवारने का काम हम कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबिन से जिला अध्यक्षों की सूची को लेकर सवाल किया गया. उन्होंने कहा किबैठक कर आगे की रणनीति तैयार करेंगे। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ जारी लड़ाई को लेकर नितिन नबीन ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री और पीएम मोदी का जो संकल्प है, उस पर काम चल रहा है. छत्तीसगढ़ सरकार का भी वही संकल्प है. छत्तीसगढ़ के स्वभाव के अनुकूल ही प्रदेश विकसित हो यही उद्देश्य है। कांग्रेस पार्टी में विवाद की स्थिति के सवाल पर नितिन नबीन बोले कि जिस पार्टी का नेतृत्व ठीक ना हो और जो पार्टी नेतृत्व विहीन हो, उस पार्टी में सिर फुटव्वल जैसी स्थिति बनती ही है. कर्नाटक में राहुल गांधी के कारण ही तो मुख्यमंत्री को बौना दिखाने में लगे हुए हैं. इस तरीके का खेल छत्तीसगढ़ में भी चलता है. यहां भी एक दो लोग है।

दिल्ली की जहरीली हवा को लेकर मोदी सरकार पर बरसे राहुल गांधी, पीएम की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 28 नवम्बर (न्यूज चैनल)। राष्ट्रीय राजधानी में लगातार बिगड़ती हवा की गुणवत्ता को लेकर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर तीखा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में हवा इतनी खराब हो चुकी है कि यह अब स्वास्थ्य संकट बन गई है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर संसद में तुरंत विस्तृत चर्चा की मांग करते हुए कहा कि सरकार को सख्त और लागू होने वाला एक्शन प्लान लाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बच्चे और बुजुर्ग जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं, तब सरकार चुप क्यों है और कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया जा रहा।

राहुल गांधी ने कुछ माताओं से अपने घर पर मुलाकात की और उनकी चिंता को एक वीडियो के जरिए साझा किया। उन्होंने कहा, हर मां यही कहती है, उसका बच्चा जहरीली हवा में सांस ले रहा है। वे थक चुकी हैं, डरी हुई हैं और नाराज हैं।

ब्रेकिंग न्यूज

रूस के राष्ट्रपति पुतिन आएंगे भारत

नई दिल्ली, 28 नवम्बर (न्यूज चैनल)। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर पुतिन 4 दिसंबर को भारत पहुंच जाएंगे। वे यहां पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्तों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पुतिन का स्वागत करेंगी और उनके सम्मान में भोज का भी आयोजन किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पुतिन का यह दौरा दोनों देशों के संबंधों की समीक्षा का अहम मौका होगा। इसके अलावा भारत-रूस अपनी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त कूटनीतिक साझेदारी के लिए दृष्टिकोण निर्धारित कर सकेंगे। साथ ही साझा हितों के स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों देश चर्चा में जुड़ेंगे। भारत और रूस के बीच हर साल शिखर वार्ता होती है। अब तक दोनों देशों के बीच 22 वार्ताएं हो चुकी हैं। पिछले साल जुलाई में पीएम मोदी मॉस्को गए थे, जबकि पुतिन आखिरी बार 2021 में भारत आए थे। इस बार दोनों देशों का सैन्य और तकनीकी सहयोग पर विशेष ध्यान रहेगा। माना जा रहा है कि भारत रूस से अतिरिक्त एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली भी खरीद सकता है। भारत ने 2018 में पांच यूनिट के लिए 5 अरब डॉलर का सौदा किया था, जिसमें तीन रेजिमेंट मिल चुकी हैं और बाकी दो अगले साल तक मिलने की उम्मीद है। रूस की एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के हवाई हमलों को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई थी।

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, पीएम मोदी कह रहे हैं कि परमाणु क्षेत्र को भी अब निजी क्षेत्रों के लिए खोला जाएगा।

चुहिया- हां जी, धीरे-धीरे जमीन आसमान भी निजी हाथों में चला जाएगा।

इमरान खान के बेटे की सोशल मीडिया पोस्ट से मचा हड़कंप क्या पाक सरकार अब इमरान के जिंदा होने का सबूत देगी?

नई दिल्ली, 28 नवम्बर (न्यूज चैनल)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे कासिम खान ने दावा किया है कि उनके पिता को मौत की कोठरी में पूर्ण अंधकार और शून्य पारदर्शिता में रखा गया है। कासिम खान का कहना है कि पिछले कई सप्ताह से ना कोई फ़ोन कॉल, ना कोई मुलाक़ात, ना ही कोई सबूत कि वो ज़िंदा हैं। मेरे और मेरे भाई का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है। कासिम खान का आरोप है कि 845 दिनों से हिरासत में चल रहे इमरान खान को पिछले छह हफ्तों से अकेले पृथक-कोठरी में बंद किया गया है। उनकी बहनों को भी अदालत के आदेश होने के बावजूद मुलाक़ात की अनुमति नहीं दी जा रही है।

कासिम ने आगे कहा कि शहबाज़ शरीफ़ सरकार और उसके आकाओं को कानूनी, नैतिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदार ठहराया जाएगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए 'फ्रूफ ऑफ लाइफ' की मांग करने की अपील की। उधर, इमरान खान की बहन नूरीन नियाज़ी ने भी कहा है कि यह पाकिस्तान का सबसे अंधकारमय दौर है। उनके अनुसार, इमरान को लगातार कठोर परिस्थितियों में रखा जा रहा है और परिवार से संपर्क पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जेल मैनुअल के अनुसार किसी कैदी को चार दिन से ज़्यादा आइसोलेशन में नहीं रखा जा सकता, लेकिन इमरान को पहले भी तीन हफ्तों तक पूरी तरह अंधेरे में रखा गया था और वही दोहराया जा रहा है। नूरीन नियाज़ी का कहना है कि परिवार को चार सप्ताह से मिलने नहीं दिया गया है और जेल के बाहर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के साथ अभूतपूर्व दुर्व्यवहार हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों को बेरहमी से पीटा जा रहा है? यह हालात हिटलर के दौर जैसी दमनकारी स्थिति की याद दिलाते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता का गुस्सा अब फटने के करीब है। उन्होंने साथ ही कटाक्ष करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उन्हें कोई उम्मीद नहीं दिखाई देती क्योंकि हमारे तानाशाहों के विदेशी समर्थक बहुत मजबूत हैं।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन में कमर्शियल टीम ने 29 अवैध वेंडर्स को पकड़ा

बिलासपुर, 28 नवम्बर (हाईवे चैनल)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन में जहां 24 घंटे आरपीएफ कथित रूप से मुस्तैद रहती है, जोन ऑफिस होने के कारण आईजी, डीआईजी और कमांडेंट आना-जाना करते है वहां बड़ी संख्या में अवैध वेंडर्स बेखौफ होकर या यू कहें कि आरपीएफ की संरक्षण में निडर होकर चल रहे है, यही कारण है कि जिस रेलवे स्टेशन में आरपीएफ को अवैध वेंडर्स नजर नहीं आते उस समय कमर्शियल विभाग ने वहां 29 अवैध वेंडरों को पकड़कर कार्रवाई की.

बिलासपुर रेलवे स्टेशन में अवैध वेडिंग रुकने का नाम नहीं ले रही है. प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकते ही बिना लाइसेंस वाले वेंडर कोच में चढ़कर खाद्य सामग्री बेचने लगते हैं, जबकि स्टॉल के वेंडर प्लेटफॉर्म पर ही घूमते रह जाते हैं. यह स्थिति रोज की हो गई है. स्टॉल संचालकों की शिकायत पर भी कोई सुनवाई नहीं होती. अवैध वेंडरों की वजह से यात्रियों की सुरक्षा तक खतरे में पड़ गई है.

इसे देखते हुए गुरुवार को बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर अनधिकृत वेंडरों पर अंकुश लगाने के लिए मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस. भारतीयन के नेतृत्व में वाणिज्य निरीक्षक, वाणिज्य पर्यवेक्षक और टीम ने औचक खानपान जांच अभियान चलाया. इसमें 29 अनधिकृत वेंडर्स को पकड़ा गया और उन पर 80,460 रुपए का जुर्माना लगाकर दंडात्मक कार्रवाई की गई. वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह ने कहा कि बिलासपुर मंडल यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए नियमित रूप से निगरानी अभियान चलाता रहेगा. अनियमितता और अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

भारत का रक्षा इकोसिस्टम नवाचार का केंद्र, बाहरी निर्भरता को करेंगे खत्म : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 28 नवम्बर (न्यूज चैनल)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एक स्थिर भारत, एक स्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से, केंद्र एक रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, उद्योग को समर्थन देता है और बाहरी निर्भरता को कम करता है। उन्होंने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में चाणक्य रक्षा संवाद को संबोधित किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भारत शक्ति, सुरक्षा और विकास के पथ पर आगे बढ़ता है, तो विश्व को अनेक प्रकार से लाभ होता है। एक स्थिर भारत, एक स्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, अनेक देशों के लिए समावेशी, पारदर्शी और सुरक्षित शासन का एक आदर्श प्रस्तुत करता है। उभरती प्रौद्योगिकियों, चाहे वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता हो, साइबर हो या अंतरिक्ष, के प्रति भारत का नैतिक दृष्टिकोण, ऐसे मानक स्थापित करता है जिनकी ओर अन्य देश भी ध्यान देते हैं, शांति, जलवायु उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बल प्रदान करता है,

जर्जर रपटा पुल से दूरी के साथ बढ़ी ग्रामीणों की परेशानी

तखतपुर, 28 नवम्बर (हाईवे चैनल)। तखतपुर क्षेत्र में दो जिलों के बीच में 15 से 20 गांव को जोड़ने करीब 20 वर्ष पहले बनाए गए रबेली पंचधार रपटा पुल की बदहाली हादसे को दावत दे रही है. सात वर्ष पहले आई विनाशकारी बाढ़ में यह पुल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, लेकिन इसके बाद भी अब तक मरम्मत या पुनर्निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो सका है.

ग्रामीणों ने बताया कि पुल की हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है. जगह-जगह मिट्टी धंस चुकी है, कांक्रीट टूटकर बाहर आ चुका है, और कई हिस्सों में लोहे की सरिया तक दिखाई देने लगी है. इसके बावजूद लोग रोजमर्रा की जरूरतों, स्कूल-कॉलेज, अस्पताल और बाजार जाने के लिए इस जर्जर पुल पर से ही गुजरने को मजबूर हैं. स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि हम रोज जान हथेली पर लेकर इस पुल को पार करते हैं. विकल्प न होने के कारण बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इसी टूटे पुल पर चलने को मजबूर हैं. प्रशासन से कई बार शिकायत की गई, लेकिन जांच और प्रस्ताव की प्रक्रिया में सालों से मामला अटका हुआ है. ग्रामीणों ने यह भी बताया कि बरसात के दौरान स्थिति और खतरनाक हो जाती है. फिसलन बढ़ने से कई बार लोग गिर चुके हैं, और दोपहिया वाहन फंसने की घटनाएँ भी सामने आई हैं. स्थानीय प्रतिनिधियों ने पुल की मरम्मत या नवनिर्माण के लिए शासन और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है. उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता.

मतदाता सूची से विधायक का नाम ही कर दिया गायब, आम आदमी का क्या होगा: सचिन पायलट

जगदलपुर, 28 नवंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने एक प्रेस वार्ता में मतदाता सूची, निर्वाचन प्रक्रिया और राजनीतिक आरोपों से जुड़े मुद्दों पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं चरण दास महंत और पूर्व विधायक गुलाब सिंह कमरो के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। उनके अनुसार, जब एक विधायक का नाम सूची से हट सकता है, तो आदिवासी और आम नागरिकों के नाम भी प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चलाएगी।

इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने बताया कि भरतपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक गुलाब सिंह कमरो का नाम मतदाता सूची से हट गया था। उन्होंने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बीएलओ ने उन्हें सूचित किया कि उनका नाम सूची में नहीं है और बाद में ज्ञात हुआ कि नाम किसी अन्य गांव में स्थानांतरित कर दिया गया है। महंत ने कहा कि यदि एक विधायक के साथ ऐसा हो सकता है, तो आम नागरिकों पर इसका क्या प्रभाव पड़ सकता है, यह समझा जा सकता है।

सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस ने विभिन्न स्थानों पर मतदाता सूची में नाम हटने से संबंधित शिकायतें उठाई हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग द्वारा जांच न करने से संदेह पैदा होता है। पायलट ने यह भी कहा कि जब निर्वाचन आयोग से सवाल पूछे जाते हैं तो जवाब भाजपा के प्रवक्ता देते हैं, और इसे उन्होंने आयोग की निष्पक्षता से जुड़े सवालों का कारण बताया।

पायलट ने केंद्र सरकार से पिछले 11 वर्षों में भारत से बाहर भेजे गए घुसपैठियों के आधिकारिक आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले हर नागरिक को मतदान का अधिकार मिलना चाहिए और घुसपैठियों को मतदान नहीं करना चाहिए। उन्होंने विभिन्न राज्यों में बीएलओ के दबाव का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ मामलों में आत्महत्या जैसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिस कारण कांग्रेस ने मतदाता सूची से संबंधित जागरूकता अभियान शुरू किया है। नक्सली नेता हिड़मा के मारे जाने और नक्सलवाद पर कांग्रेस के रुख को लेकर लगाए गए आरोपों पर पायलट ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा नक्सलवाद, आतंकवाद और अलगाववाद का विरोध किया है। उनके अनुसार, छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के कारण कांग्रेस ने अपनी एक पीढ़ी खोई है, ऐसे में समर्थन का प्रश्न ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून का पालन सर्वोपरि है।